बुक-पोस्ट मकाश्चित सामगी

गुरुकुल पत्रिका ! प्रहलाद ! आर्य भट्ट

रजि० संख्या एल० १२७७

-	-
सेवा	TT
त्रपा	ч.
	٠,

च्यवसाय प्रबन्धक गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

(1) da = 1 27 रनेवत्= 1282 -512 मिहाटम्प - 25 × 11 × 0.10.m. पंचरनोहपायः प्रजीतसम्मत ११ प्रश्ने क्रिषय- ज्योतिष 165×135×0.10m. ति पद्नी प्रतिपदा हितीया खतीया चतुर्थी पत्यमी

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by S3 Foundation USA

मैवव्यमी धन उसीह उन्पातन वार्ये क्यान

विवय - तीर्प शह - 15 x11.5x o.7c.n. औं भी गर्वाशायनमः भी जय मेप शह अपितामहानामुङामुङ शर्मकों तीपिश्चा विषय - मजपलक्य - 20 x 11 x0-1c.m भागपो द्रामिशीयेयदे त रूभ: स्या हि कुंकमरमयोपाहिर ३म ४ वेचनं।। यावश्मी

र४एके संभावां निक्मिपिविषेशः साह्याहिसाधनं । रचित्रमत्र दित्येय निर्वाणायक त्येत्रध्य कीकरेपिलमीतस्य वाजविववंतं गंगायानियते हैवयागतः २६तरांसभी पाषायः सन् दियभी ग्समिन्यनः षष्टिर्वषसहस्राणिस्वर्गनोकेमरीयते छहरत्रासन्रियन छवनी प्रसमिन ता तोका ज्ञीको नमवेत भीषरां सार्युक्तये टच्ड्लित द्वीमयो स्यानंका ज्यामा हान्य युक्म गस्य अवणमात्रेषासर्वपायेत्र अव्यते दलस्त उचाच होन केवं मग्वता भग्या संसग्रस उनात्रांभाः क्षेत्रस्पमहिमात्राकः सर्वेहिते छ्या ०८० एतस्पञ्च वणादेव पापसं घातं पतारे । सघा वि लयमायातिवलमपाविवाहिते ४९ शात्यमनस्यद्धिः पदनियप्रपत्नतः।एनसा विप्रणात्रायमातयेपार्वतायतः ४१ एते ह्वयरतत्वमतदेव वरते यः इतिम वाप्रयत्व नजये दिर्मन्य धीः ४३ एतज्ञि पनसंतुष्टाम हारेबः सनातनः देघार त्री सिता नयां ना नका पी

की०

विचारणा ठ४अ शिस्तर शंतमाई लिंगानिप रिएउन माहात्म ऋणुवात्का उपाः प्रत्यहेनि यमानितः ६५ तस्य सेवत्तरेण स्यात्यत्रः शील गुणा नितः श्र ध्रेषुर तिल्ह्या यान् हो वा राधनतत्वरः ६६ इति जीप मडरा गेपाताल खंडेका शीमहा तमे पंच नी ध्यापः ५ श्रीग्रान् समत १६५२ श्रोमेनाम वैतवं ६। ७६ रामग्रामग्रमग्रमग्रमग्रमग्रमग्रमत्विहि के के प्रत्रली।

11211 क्षेत्रक्षेत्रक्षित्र विषात् क्षेत्र वा चतु वि वंच मी ससी मत्पती जुस्ती जन मी द्वामी ए कार मि द्वार प्री च की र प्रो चतु दे मी जामा वस्याविधामाइतितिथयः श्रादीत्वसाममगर उप रामितायुक्त माने प्रमान प्रमाना स्प स्व मी भर कि के विकासि दियों मध्य पीर शान इतिन वसियम् स्वास्या द्वा पाल्य जी जी मसिव गस्वाति विशायात्र 37 CC-20. Gurukul Kangri University Haridwar collection. Digitized by S3 Foundation USA

मुभीनी तम वाण हा तेया गृति वा शुर् र्वाभाद्वयु व्यामाद्वद्रेवती इति। यया विज्ञाती व वा में का भक्षात मारि य यस निया आज्यका भ न जुनी मं उस् कमाधित मुलगेर होई ध्राज्याधित द्रबंण वज्र निष्ठिचातेषातं वदाण परीच रित्र सिंह साध्य मुक्त ब्रेह्मा है। सि द्वे चुति इयो जाः व्यवस्था युन क की हा के ब्या के बार के बार के बार के बार के बार के बार के किया है। A set of the contract o

चन्राः डो अषती चित्रा इति ज्ञानमा जें वंडरीकातः वसति इतिमा बहुत्या हैरद्वातः सक्ताहेगानाः सिस्रानः तिया ३५ म न वासरे ३५ म वास चे त्रमक्ते वे समुक्ते ना वालापित नामह प्रति महाना अप्रकाम का प्रणाप

राम यानाम जे। जाएंग नातामह व्रमातामहानामह का १ मुक्स में एंग ये यानाम जेते जाएंग मह व्रमाता मह र इंडे जाता महाना महाना मह के वार्म लाता क ष्ट्राडमहेकरिको ततागाय जी जिप ना जे देवता म्बः वितः भ्यान्त्र नहावोति। भव एव चननः विद्वारावेः साधारे: नित्यने व त्रमा नमः। इति जायत्रिज्ञयेत ततः पूर्वाभिष्ठरवाइ विणितर के ना मादितकात त्रयात्मकामन् ह्य त्र चंत्रहे दिए माहते व्यव मुस्त तेत्र या चंत्रहे दिए माहते व्यव व त विविता महाना माम का मुक्ला ती राष्ट्रा

भगायोः।।पान्नरेण निकायेकदिसं क्रमः स्काहिनह्यं प्रापंस कार्या सात्। सर्वपरक्ता हि याम्य सोम्यायने हिने सर्वणरे तुष्राले। हा संघ्या जिना डी प्राणित कि वे वार् हैं हिता स्तर् थे। अर्द्भ जा वेद्या स्पन्नो म्यायन से अत्या सम् अतेपीत राजीपर सर्वाय से वा म्याय में विस्त्र ह्वाधाष्ठ्रभास्त्रलानायोः॥षड्यात्याननेत्रीव्येपरानाद्यातिष्ठरापद्गाः।त्यायन्त्रात्यन्त्रात्यन्त्रात्यन्त्रात्य रसार्-द्रताध्रस्यकार्गात्याचिद्रताहिमाही। मेरवादितः शहात्मसंस्मात्महीने म पादीव उपाण्डां सी लासमंग्रहित्रवस्थवोगितमहानित्रवीत्राच्यां वृहत्स्या है। अतिहे कारि तियंत्राध्यं सार्वेषुण्यं तिलेका क्रवान्यारी त्राधन्यभेशक मार्वेषु शरेद्वी प्रयोगह तार्थ रहत्स्। स्वराम् ३ संस्थाः सम्येमहर्धसम्बीमामविश्वर्कतीवे १ । अर्किर्वा

की लवें ने एं समः मेर दे हें विवर्ण में दिन व्यापा ने वराहर समा ४ मना प्राप्त कराहर समा ४ मना प्राप्त है यह होर दर्ताः ७ खार नोर गौर सुर गापुछर । चे बंब तीवाइ रवें सक्त में वस्त्रेर चेता मुपति ३३। दितक ३ पाँडी ४ रक्त ४ का लाई सिति ७ विश्वेर के बलर दिया। छना भी। मध्यास्त्रे स्माइ पुँजी गई २१११ १वड्डी ३६३४ शहास ५ तो सर्द मणों के ते शे े चा शों दे देशे र स्त्री। बाता। स्त्री शे स्मानन १ वरमाना २ भे स्मा १ वहा ना के शाहरा पे देश पे देश विद्या ने स्त्री हैं। बाता। स्त्री शे स्मानन ते वे समजा भि। के के भे दे स्था पार्टी २ इस दे वर्त है। शाहरा का वहार हो ते स्त्री हैं। स्त्री का १४

CC-0. Gurukul Kangri University Haridwar Collection. Digitized by \$3 Foundation USA